'kksd lans'k

प्रमोद महाजनजी के निधन से न केवल भाजपा ने अपितु देश ने एक अग्रणी नेता खो दिया है। प्रमोदजी न केवल अदम्य इच्छाशक्ति के धनी थे अपितु उन लोगों में से थे, जो सोचते थे उसे करके भी दिखाते थे। संघर्षों ने उनके व्यक्तित्व को गढ़ा था। संकल्प उनकी इच्छाशक्ति बनकर दिखता था।

समय–समय पर उनकी प्रतिभा, कुशलता और दृढ़ता का अनुभव हम सबको होता रहा है। उनमें अभी अनन्य संभावनाएं थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि अपनी सम्पूर्णता तक पहुंचने से पूर्व ही इन समस्त संभावनाओं का अवसान हो गया है। उनके निधन से हुई क्षति की पूर्ति होनी असंभव है।

मैं ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

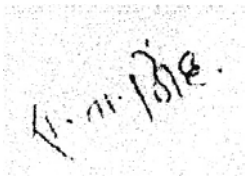

jktukFk flag